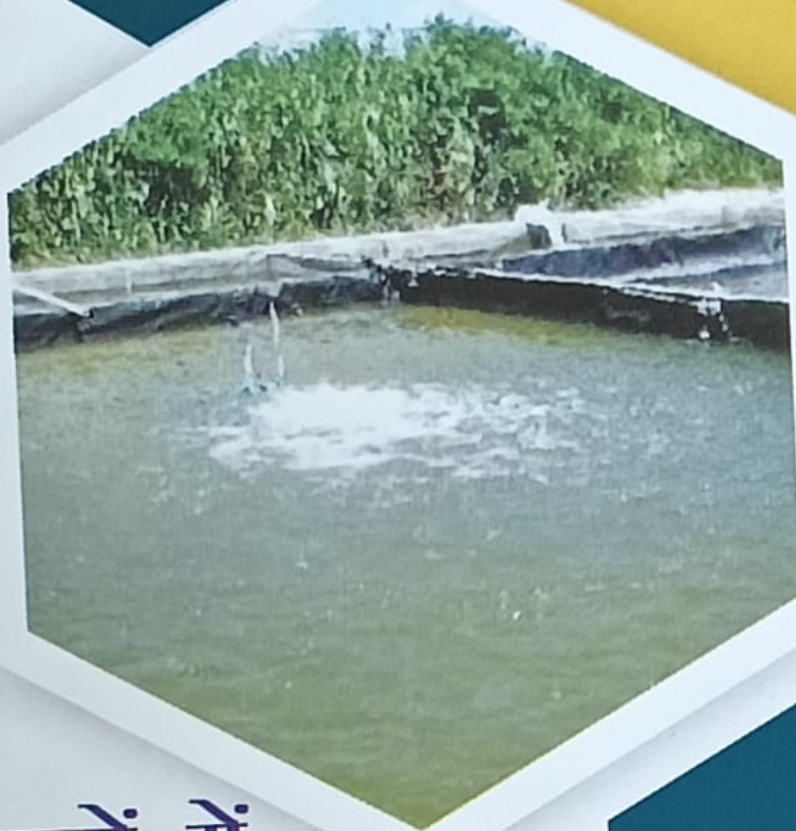




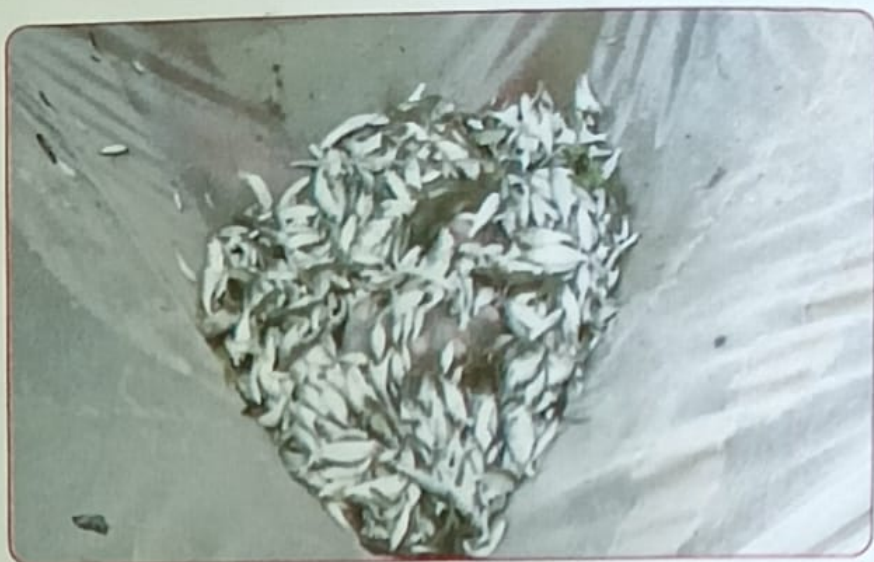
नर्सरी तालाबों में जीरा पालन



कृषि विज्ञान केन्द्र, हरनौत, नालन्दा
बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर (भागलपुर)

नर्सरी एवं रियरिंग तालाबों में जीरा पालन

नर्सरी तालाबों में 15 दिनों में स्पॉन से फ़ाई (2.5 सेमी से 3 सेमी) तैयार किया जाता है। तत्पश्चात् रियरिंग तालाबों में बड़े आकार के जीरे अंगुलिकायें (8 सेमी से 12 सेमी) तैयार किए जाते हैं। यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण व्यवसाय है क्योंकि इसके द्वारा बड़े तालाबों में अच्छे गुणवत्ता वाले जीरे की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकती है तथा यह जल कृषि किसानों के लिए कम समय अंतराल पर अच्छे आय का श्रोत बन सकता है।



(1) नर्सरी तालाबों में स्पॉन से फ़ाई की तैयारी

तालाब का चयन एवं उसकी तैयारी : छोटे मौसमी तालाब जिनका क्षेत्रफल 0.02 हे० (5 डेसिमल) से 0.12 हे० (30 डेसिमल) हो एवं ग्रीष्म महीने में सूख जाते हों जीरा पालन के लिए उपर्युक्त हैं। तालाब की गहराई 1 से 1.5 मीटर होना आवश्यक है। इन तालाबों के लिए अपेक्षाकृत उँचे स्थान का चुनाव करना चाहिए जहाँ वर्षा या बाढ़ के कारण जलप्लावन की संभावना कम हो।

जीरा संचय पूर्व प्रबंधन : जीरा पालन प्रायः बरसात के मौसम में किया जाता है। सर्वप्रथम खरपतवारों का तालाब से उन्मूलन आवश्यक है, तत्पश्चात् नजदीक के बड़े से तालाबों अथवा वर्षा द्वारा जल संचय करना चाहिए। तालाबों में 100 किलो / हे० (0.4 किलो/डेसिमल) के दर से चूने का प्रयोग लाभप्रद होता है। चूना डालने के दो दिन पश्चात् कच्चा गोबर 5000 किलो / हे० (20 किलो/डेसिमल) डालना चाहिए। गोबर डालने के दो सप्ताह बाद तालाब स्पॉन संचय के लायक हो जाता है। एक अन्य विधि में नारियल की खल्ली 750 किलो, गोबर 200 किलो, तथा सिंगल सुपरफास्फेट 50 किलो प्रति हे० का आधा भाग तालाब में डाला जाता है। जिसके 3 दिन पश्चात् स्पॉन संचय किया जाता है। उर्वरकों के शेष भाग को 2 से 3 भागों में विभक्त कर स्पॉन संचय के पश्चात् 3 से 4 दिन के अंतराल पर डाला जाता है। नारियल के खल्ली की अनुलब्धता होने पर सरसों



की खल्ली का व्यवहार किया जा सकता है।

तालाब में अत्यधिक मात्रा में पैदा हुए शिकारी कीड़ों को निकाल बाहर करने के लिए जीरा डालने से 1 दिन (24 घंटे) पूर्व 18 किलो / हे० (70ग्राम / डेसिमल) कोई सस्ता साबून का हल्के गरम पानी में घोल को 56 लीटर / हे० (220 मि० ली० / डेसिमल) किसी सस्ते तेल के साथ मिलाकर जब हवा शांत हो तालाब में छिड़काव करना चाहिए। इसके लिए डीजल 100 लीटर / हे० का भी व्यवहार किया जा सकता है। इससे हवा से सम्पर्क टूट जाने के कारण कीड़े मर जाते हैं जिन्हें जाल चलाकर तालाब से बाहर कर लिया जाता है।

जीरा (स्पौन) संचय :

नर्सरी तालाबों में स्पौन का संचय सूर्योदय पश्चात् करना चाहिए। संचय से पूर्व जीरे को पोटेशियम परमैंगनेट (1 ग्राम/10 लीटर जल में) से उपचारित कर उनका अनुकूलन जीरों को लाये गये जल में तालाब के जल को धीरे-धीरे मिलाकर करना चाहिए, तत्पश्चात् तालाब में छोड़ना चाहिए। स्पौन संचय 25 लाख से 50 लाख प्रति हे० (10000 से 20000 प्रति डेसिमल) की दर से करनी चाहिए।



पूरक आहार का प्रयोग : प्रति लाख स्पौन हेतु पूरक आहार के रूप में चावल तथा सरसों की खल्ली (जल में फुलाकर) बराबर मात्रा में मिलाकर निम्नलिखित दर से प्रतिदिन तालाब में छिड़काव करना चाहिए। संचय के प्रथम दिन से पाचवों दिन - 600 ग्राम, छठा दिन से दसवों दिन - 1200 ग्राम, ग्यारहवों दिन से तेरहवों दिन - 1800 ग्राम, चौदहवां दिन - कोई आहार नहीं, पंद्रहवों दिन - निकासी। आहार की आधी-आधी मात्रा सुबह एवं शाम में प्रयोग श्रेयस्कर है।



(iii) रियरिंग तालाबों में फाई से अंगुलिकाओं की तैयारी

इस प्रक्रिया में अपेक्षाकृत बड़े 0.2 हे० (50 डेसीमल) तक के तालाब का चयन किया जाता है जिसको अनावश्यक वनस्पतियों एवं मछलियों से साफ करने तथा उसमें चूना डालने के पश्चात् 5000 किलो/हे. कच्चा गोबर डाला जाता है। गोबर डालने के 2 सप्ताह पश्चात् तथा जीरा संचय से 3-4 दिन पहले यूरिया एवं एस एस पी 100 - 100 किलो/हे० गोबर में अलग-अलग घोल बनाकर तालाब में डाला जाता है।

जीरा संचय: प्रति हे० तालाब में 1 लाख से 2.5 लाख तक फाई संचित किया जाता है। नर्सरी तालाबों

में एक प्रजाति के मछली के स्पॉन का संचय किया जाता है जबकि रियरिंग तालाबों में विभिन्न प्रजातियों के मछलियों का मिश्रित पालन किया जा सकता है।

पूरक आहार: पूरक आहार के रूप में सरसों की खल्ली एवं चावल का चोकर गाढ़ा घोल बनाकर प्रतिदिन सुबह के समय निम्नलिखित दर से प्रतिदिन जीरों को खिलाया जाता है। पहला महिना-6 किलो, दूसरा

जीरा पालन में आय-व्यय का विवरण

क्रम सं.	अवयव	प्रति इकाई मूल्य (रु.)	नर्सरी तालाबों में स्पॉन से फ्राई की तैयारी (0.1 हे० तालाब के लिए)		रियरिंग तालाबों में फ्राई से अंगुलिकाओं की तैयारी (0.2 हे० तालाब के लिए)	
			मात्रा	कुल अनुमानित मूल्य (रु.)	मात्रा	कुल अनुमानित मूल्य (रुपया)
1	गोबर खाद	1.00	500 किलो	500.00	5000 किलो	5000.00
2	चूना	20.00	25 किलो	500.00	100 किलो	2000.00
3	साबुन	150.00	1.8 किलो	270.00	—	—
4	तेल	100.00	5.5 लीटर	550.00	—	—
5	स्पॉन	1000.00/लाख	2.5 लाख	2500.00	—	—
6	फ्राई	500.00/हजार	—	—	40,000(सं.)	20,000.00
7	चावल की चोकर	25.00	36 किलो	900.00	190 किलो	4750.00
8	सरसों की खल्ली	25.00	36 किलो	900.00	190 किलो	4750.00
9	यूरिया	7.00	—	—	20 किलो	140.00
10	एस एस पी	10.00	—	—	20 किलो	200.00
11	अन्य			2000.00		5000.00
11	कुल लागत			8120.00		41,840.00
12	आर्थिकी		फ्राई का उत्पादन -1,00,000 (सं.) कुल आमदनी -50,000 रु० शुद्ध लाभ - 41,880 रु०		अंगुलिका का कुल उत्पादन - 30,000 (सं.) कुल आमदनी - 120,000.00 शुद्ध लाभ -78,160 रु०	

जीरे की निकासी: मसहरी जाल चलाकर सुबह के समय जीरो की निकासी करनी चाहिए। बादल लगे होने पर निकासी श्रेयस्कर नहीं हैं। बरसात के मौसम में मत्स्य पालक फ्राई तैयारी की प्रक्रिया को 3से 4 बार दोहराकर डेढ़ लाख तक की आमदनी प्राप्त कर सकते हैं, जबकि 3 महीने के उचित तालाब प्रबंधन के द्वारा 10 सेमी से 12 सेमी की 70000 से 90000 अंगुलिकायें प्रति लाख फ्राई से प्राप्त किए जा सकते हैं जिन्हें बेचकर जीरा पालक अच्छी कमाई प्राप्त कर सकते हैं।

कृषि विज्ञान केन्द्र, हरनौत, नालन्दा

बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर (भागलपुर)